

# राष्ट्रीय सेवा योजना

NSS UNIT



‘मैं नहीं, बल्कि आप’



राजकीय महाविद्यालय बनबसा

चम्पावत (उत्तराखण्ड)

# राष्ट्रीय सेवा योजना: एक परिचय

वैचारिक ढांचा: राष्ट्रीय सेवा योजना का वैचारिक ढांचा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व का विकास सामुदायिक सेवा के माध्यम से करना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य (Motto): राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य 'स्वयं से पहले आप' (NOT ME BUT YOU) है। यह लोकतांत्रिक जीवन शैली के सार को प्रदर्शित करता है और निस्वार्थ सेवा की आवश्यकता पर बल देता है। यह इस विश्वास को रेखांकित करता है कि एक व्यक्ति का कल्याण अंततः पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रतीक (NSS Logo): राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मंदिर के विशाल रथ चक्र (Wheel) पर आधारित है। यह चक्र सृष्टि के संरक्षण और परिवर्तन का प्रतीक है तथा जीवन में गतिशीलता का द्योतक है।

राष्ट्रीय सेवा योजना बैज (NSS Badge): स्वयंसेवक गौरव के साथ इस बैज को धारण करते हैं। इसमें बना रथ चक्र 24 घंटों का प्रतीक है, जो स्वयंसेवक को राष्ट्र की सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर रहने की याद दिलाता है।

लाल रंग: यह ऊर्जा, उत्साह और सक्रियता का प्रतीक है।

# ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) का इतिहास केवल एक सरकारी योजना का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना का जीवंत प्रमाण है। इसकी विकास यात्रा को निम्नलिखित महत्वपूर्ण चरणों में समझा जा सकता है

## **गांधीवादी दर्शन:**

**सेवा का बीजारोपण (स्वतंत्रता पूर्व)** NSS की वैचारिक नींव राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दर्शन में निहित है। गांधीजी का दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे 'श्रम' और 'समाज सेवा' से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने 'बुनियादी शिक्षा' (Nai Talim) के माध्यम से यह संदेश दिया कि छात्रों को अपने ज्ञान का उपयोग ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए करना चाहिए। गांधीजी के अनुसार, एक विद्यार्थी का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होता है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा के प्रति संवेदनशील हो।

## **स्वतंत्रता पश्चात के प्रयास (1948 - 1959)**

स्वतंत्रता के बाद, भारत के पुनर्निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए:

**राधाकृष्णन आयोग (1948):** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने पहली बार यह सिफारिश की कि छात्रों के लिए 'राष्ट्रीय सेवा' (National Service) को स्वैच्छिक आधार पर शुरू किया जाना चाहिए।

**प्रथम पंचवर्षीय योजना (1952):** भारत सरकार ने अपनी पहली योजना में ही सामाजिक और सामुदायिक सेवा को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया।

**सी.डी. देशमुख समिति (1959):** शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के सुझाव पर गठित इस समिति ने स्नातक स्तर की डिग्री से पहले एक वर्ष की अनिवार्य राष्ट्रीय सेवा का प्रस्ताव रखा था।

## कोठारी आयोग और राष्ट्रीय संकल्प (1964-66)

डॉ. डी.एस. कोठारी की अध्यक्षता वाले शिक्षा आयोग (1964-66) ने NSS के वर्तमान स्वरूप को परिभाषित करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। आयोग ने सिफारिश की कि सभी स्तरों पर छात्रों को समाज सेवा के किसी न किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने इसे "राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का साधन" माना और सुझाव दिया कि शिक्षा को केवल कक्षाओं तक सीमित न रखकर 'कैंपस से कम्युनिटी' तक ले जाना चाहिए।

## औपचारिक स्थापना: 24 सितंबर 1969

राष्ट्रीय सेवा योजना की आधिकारिक शुरुआत 24 सितंबर 1969 को हुई। तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. वी.के.आर.वी. राव ने महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष (100वीं जयंती) के उपलक्ष्य में देश के 37 विश्वविद्यालयों में इस योजना का शुभारंभ किया। शुरुआत में इसमें मात्र 40,000 स्वयंसेवक शामिल थे, जिसका उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना था।

## आधुनिक विस्तार और प्रासंगिकता

आज NSS का वटवृक्ष पूरे भारत में फैल चुका है।

विस्तार: यह योजना विश्वविद्यालयों से लेकर +2 स्तर के स्कूलों तक पहुँच चुकी है।

प्रभाव: वर्तमान में भारत भर में 40 लाख से अधिक सक्रिय स्वयंसेवक हैं।

विकास: समय के साथ NSS ने अपनी प्राथमिकताओं में साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, नशा मुक्ति और डिजिटल साक्षरता जैसे आधुनिक विषयों को जोड़कर इसे और अधिक प्रासंगिक बना दिया है।

## स्वयंसेवकों के लिए शपथ

- ✓ हम भारत को एक विकसित देश बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।
- ✓ हम स्वयं एक आदर्श नागरिक बनकर अपने देशवासियों को अनुशासित नागरिक बनने में सहायता करेंगे।
- ✓ हम अपने घर को सदाचारपूर्ण बनाने, अपने वातावरण को स्वच्छ रखने और अपनी पढ़ाई एवं कार्य में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एक सघन अभियान चलाएंगे।
- ✓ हम समाज में महिलाओं के प्रति हो रहे अन्याय एवं सामाजिक कुरीतियों को दूर करेंगे और उन्हें समाज में सम्मानित स्थान दिलाएंगे।
- ✓ हम अपने ज्ञान और उच्च नैतिक मूल्यों के द्वारा समाज से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटा देंगे।
- ✓ हम राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और राष्ट्र प्रेम के द्वारा अपने देश को दुनिया का एक मजबूत राष्ट्र बनाएंगे।
- ✓ हम लोगों को कानून का पालन करने वाला नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेंगे।
- ✓ हम वनों की अन्धाधुन्ध कटाई को रोकेंगे और पर्यावरण की रक्षा के लिए नए वृक्ष लगाएंगे।

॥

## उद्देश्य

- ❖ लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
- ❖ स्वयं को रचनात्मक सामाजिक एवं सृजनात्मक कार्यों में प्रवृत्त करना।
- ❖ स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
- ❖ समस्याओं को हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग करना।
- ❖ प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्रदान करना।
- ❖ स्वयं को रोजगार योग्य बनाने के लिये कार्यक्रम विकास में दक्षता प्रदान करना।
- ❖ शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
- ❖ समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिये स्वयं में इच्छा जाग्रत करना।

## राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्य गीत

उठे समाज के लिए उठे-उठे।  
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें।  
स्वयं सजे, वसुन्धरा संवार दें-2  
हम उठे, उठेगा जग हमारे संग साथियों,  
हम बढ़े तो सब बढ़ेंगे अपने साथ साथियों,  
जमी पे आसमान को उतार दें-1  
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें-1  
उठे समाज के लिए उठे-उठे।  
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें।  
उदासियों को दूर कर खुशी को बांटते चले,  
गांव और शहर की दूरियों को पाटते चलें।  
ज्ञान को प्रचार में प्रसार दें।  
विज्ञान को प्रचार में प्रसार दें।  
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें-1  
उठें समाज के लिए उठे-उठे,  
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें।  
समर्थ बाल वृद्ध और नारियां रहे सदा,  
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा।  
तरकियों की एक नई कतार दें-2  
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें-2  
उठे समाज के लिए उठे उठे।  
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें।  
ये जाति धर्म बोलियां बने न शूल राह की,  
बढ़ाए बेल प्रेम की अखण्डता की चाह की।  
सद्भावना से ये चमन निखार दें-2  
स्वयं सजे वसुन्धरा संवार दें।

## संकल्प गीत

होंगे कामयाब, होंगे कामयाब,  
हम होंगे कामयाब एक दिन।  
ओ हो, मन में है विश्वास,  
पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक  
दिन।  
हम चलेंगे साथ-साथ,  
डालें हाथों में हाथ,  
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन।  
ओ हो, मन में है विश्वास,  
पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक  
दिन।  
होगी शान्ति चारों ओर,  
होगी शान्ति चारों ओर,  
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन।  
ओ हो, मन में है विश्वास,  
पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक  
दिन।  
नहीं डर किसी का आज,  
नहीं भय किसी का आज,  
नहीं डर किसी का आज एक दिन।  
ओ हो, मन में है विश्वास,  
पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक  
दिन।

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय सामान्य शिविर

आख्या

2025–2026

# राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत)

## राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

विषय: एक दिवसीय सामान्य शिविर की आख्या

तिथि: 1 दिसम्बर 2025

राजकीय महाविद्यालय बनबसा में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम NSS के सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनकल्याण के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक मिथकों को दूर करना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था। NSS स्वयंसेवकों ने इस शिविर के आयोजन, संचालन एवं विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कार्यक्रम अधिक प्रभावशाली एवं सहभागितापूर्ण बन सका।

### ◆ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

इस अवसर पर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बनबसा से आए विशेषज्ञ—डॉ. गोपाल सिंह, श्री दीपक सिंह (फार्मासिस्ट) एवं श्री गोविंद कापड़ी (MPW)—ने एचआईवी/एड्स के कारण, लक्षण, संक्रमण के मार्ग तथा रोकथाम के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह संक्रमण केवल असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, दूषित सुई/सिरिंज तथा गर्भवती माँ से शिशु में फैलता है, जबकि सामान्य सामाजिक संपर्कों से नहीं फैलता।

### ◆ रोकथाम एवं उपचार की जानकारी

विशेषज्ञों ने HIV Test जैसी जाँच प्रक्रियाओं की जानकारी दी तथा ART (Antiretroviral Therapy) के माध्यम से संक्रमित व्यक्ति के सामान्य जीवन जीने

की संभावना पर प्रकाश डाला। NSS स्वयंसेवकों ने इन जानकारियों को सरल भाषा में साथियों तक पहुँचाने में सहयोग किया।

#### ◆ प्राचार्य का प्रेरक संदेश

प्रभारी प्राचार्य डॉ. भूप नारायण दीक्षित ने अपने संबोधन में NSS की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वयंसेवक समाज में जागरूकता फैलाने के सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे केवल शिविर तक सीमित न रहकर समाज में भी सही जानकारी का प्रसार करें।

#### NSS गतिविधियाँ एवं सहभागिता

शिविर के अंतर्गत NSS इकाई द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं—

- स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान
- प्रश्नोत्तर सत्र

NSS स्वयंसेवकों ने अनुशासन, समन्वय एवं सक्रिय भागीदारी के माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

#### सामूहिक सहभागिता

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। NSS इकाई के नेतृत्व में सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया।

#### कार्यक्रम का प्रभाव

यह शिविर NSS के “Not Me, But You” सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी एवं स्वास्थ्य जागरूकता विकसित करने में सहायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है और समाज में सकारात्मक सोच एवं सहानुभूति का प्रसार अत्यंत आवश्यक है।



# राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत)

## राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

**विषय:** एक दिवसीय सामान्य शिविर की आख्या दिनांक 10  
दिसम्बर 2025

राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत में दिनांक 10 दिसम्बर 2025 को मानव अधिकार दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा एक दिवसीय विशेष शिविर का भव्य एवं सार्थक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक सरोकारों के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना तथा युवाओं को मानवाधिकार संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य के मार्गदर्शन में औपचारिक उद्घाटन सत्र से हुई, जिसमें सभी उपस्थित अतिथियों, NSS स्वयंसेवकों तथा छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया। प्राचार्य महोदय/महोदया ने अपने संबोधन में मानव अधिकारों के ऐतिहासिक विकास, महत्व और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मानव अधिकार केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि एक सभ्य समाज की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला हैं, जिन्हें समझना और संरक्षित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

### मानव अधिकार जागरूकता संगोष्ठी

विशेष शिविर का मुख्य आकर्षण मानव अधिकार जागरूकता संगोष्ठी रही, जिसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने मानव अधिकारों की परिभाषा, उनके विभिन्न प्रकार, भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संरक्षण तंत्र पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने यह भी बताया कि मानव अधिकारों का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को

सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय जैसे मूल तत्व शामिल हैं।

संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों ने विचारपूर्ण प्रश्न पूछे और मानव अधिकार उल्लंघन से जुड़े मौजूदा सामाजिक मुद्दों—जैसे लैंगिक असमानता, बाल अधिकार, शिक्षा का अधिकार, साइबर अपराध, तथा पर्यावरण अधिकार—पर गंभीर चर्चा की। इस संवादात्मक प्रक्रिया ने विद्यार्थियों में न केवल जागरूकता का भाव पैदा किया, बल्कि उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित भी किया।

## **NSS शिविर से संबंधित विशेष गतिविधियाँ**

### **मानव अधिकार जागरूकता रैली**

NSS शिविर का सबसे ऊर्जावान और प्रभावशाली कार्यक्रम था **मानव अधिकार जागरूकता रैली**, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारम्भ होकर आस-पास के मार्गों से होते हुए पुनः कॉलेज वापस पहुँची। रैली के दौरान "मानव अधिकार - सबका अधिकार", "समानता और न्याय - हर नागरिक का अधिकार", "शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान - यह हमारा अधिकार" जैसे प्रभावशाली नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

रैली ने आम नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया और समुदाय में मानव अधिकारों के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचाया। यह गतिविधि केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता का जीवंत उदाहरण रही।

### **पोस्टर / संदेश लेखन और समूह चर्चा**

शिविर के अंतर्गत **पोस्टर एवं संदेश लेखन प्रतियोगिता** का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने मानव अधिकारों पर आधारित प्रेरक, सार्थक और रचनात्मक पोस्टर तैयार किए। ये पोस्टर न केवल उनकी रचनात्मक क्षमता

दर्शाते थे, बल्कि समाज की वास्तविक चुनौतियों और अधिकारों की जरूरतों को भी अभिव्यक्त कर रहे थे।

इसके अतिरिक्त समूह चर्चा सत्र भी आयोजित हुए, जिनमें विद्यार्थियों ने मानव अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इन चर्चाओं का उद्देश्य था—युवाओं को मानवाधिकारों की व्यावहारिक समझ प्रदान करना और उन्हें सामाजिक समस्याओं के समाधान में सहभागिता के लिए तैयार करना।

### **नागरिक कर्तव्यों पर विशेष संवाद**

मानव अधिकारों के साथ-साथ नागरिकों के **मौलिक कर्तव्यों** पर भी विशेष संवाद हुआ। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अधिकारों का संरक्षण तभी संभव है, जब नागरिक अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी और निष्ठा से करें। छात्रों को संविधान के अनुच्छेद 51(A) में वर्णित कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

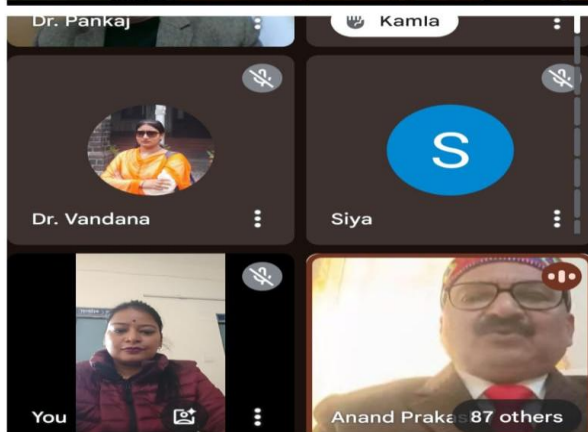
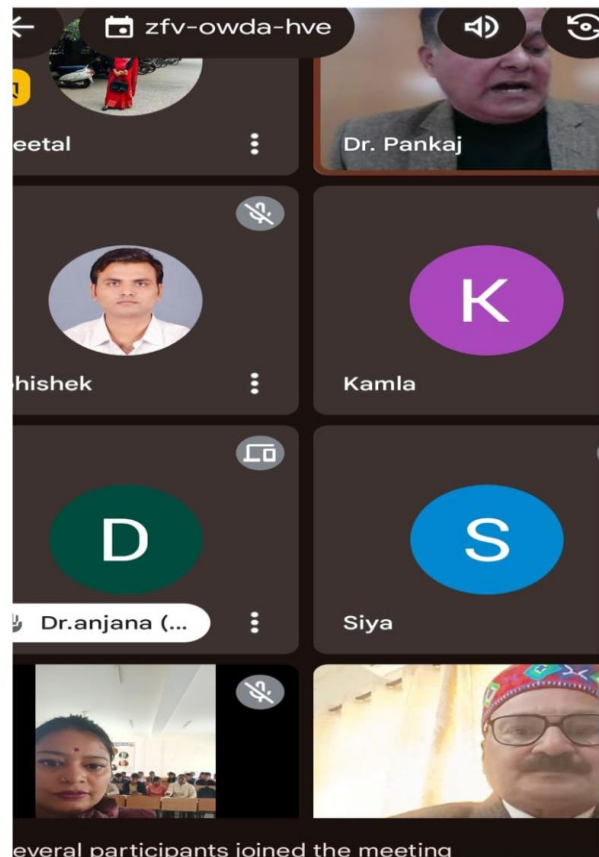
### **समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन**

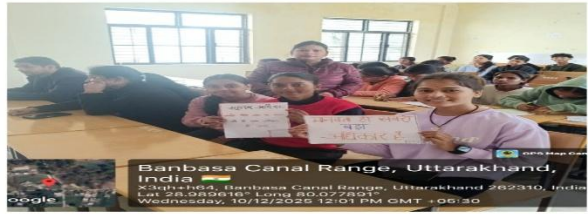
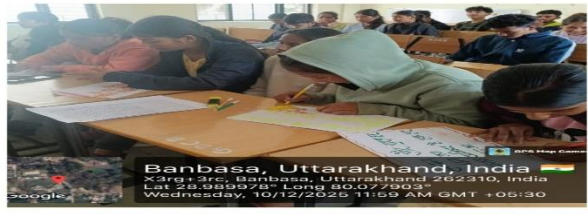
कार्यक्रम का समापन NSS कार्यक्रम अधिकारी सर, सुशीला आर्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ताओं, NSS स्वयंसेवकों और सभी प्रतिभागी छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता और मानव मूल्यों को मजबूत करने में अत्यंत सहायक होते हैं।

### **निष्कर्ष**

संपूर्ण रूप से यह एक दिवसीय विशेष शिविर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत शिक्षाप्रद और प्रेरणादायी रहा। मानव अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल ज्ञानवर्धक सत्रों का समुच्चय नहीं था, बल्कि यह छात्रों को मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और संवैधानिक आदर्शों के प्रति जागरूक करने का प्रभावशाली प्रयास भी था। इस शिविर ने युवाओं में न केवल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि उन्हें अपने कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों को

समझने के लिए भी प्रेरित किया। NSS इकाई का यह प्रयास निश्चित ही समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन और जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।





Banbasa, Uttarakhand, India  
X3rg+3rc, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989978° Long 80.077903°  
Wednesday, 10/12/2025 11:59 AM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989527° Long 80.077993°  
Wednesday, 10/12/2025 12:00 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989527° Long 80.077993°  
Wednesday, 10/12/2025 01:06 PM GMT +05:30

Banbasa, Uttarakhand, India  
X3rg+3rc, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989527° Long 80.077411°  
Wednesday, 10/12/2025 01:10 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989425° Long 80.077598°  
Wednesday, 10/12/2025 01:17 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989521° Long 80.07785°  
Wednesday, 10/12/2025 01:06 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989371° Long 80.077462°  
Wednesday, 10/12/2025 01:14 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989425° Long 80.077598°  
Wednesday, 10/12/2025 01:19 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989278° Long 80.077669°  
Wednesday, 10/12/2025 01:02 PM GMT +05:30

Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989521° Long 80.07785°  
Wednesday, 10/12/2025 01:05 PM GMT +05:30

# राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत)

## राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

**विषय:** एक दिवसीय सामान्य शिविर की आख्या

दिनांक 24 जनवरी 2026

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत) में दिनांक 24 जनवरी 2026 को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस वर्ष का विषय "My India, My Vote" तथा टैगलाइन "Citizen at the Heart of Indian Democracy" रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे सामूहिक शपथ ग्रहण से हुआ, जिसमें प्राचार्य के नेतृत्व में समस्त प्राध्यापकगण, शिक्षणोत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने एवं निष्पक्ष चुनाव में भाग लेने का संकल्प लिया।

**नारा:**

*"मेरा वोट, मेरा अधिकार - लोकतंत्र की यही पहचान"*

इसके पश्चात जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्राध्यापकों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए युवाओं को मतदान के महत्व एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। NSS स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता एवं उत्साह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।



# राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत) राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

**विषय:** एक दिवसीय सामान्य शिविर की आख्या

**दिनांक:** 26 फरवरी 2026

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई, राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत) द्वारा दिनांक 26 फरवरी 2026 को महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश सिंह जी द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या जी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे NSS स्वयंसेवकों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत NSS के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों की जानकारी के साथ हुई, जिसमें स्वयंसेवकों को समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सामुदायिक विकास के महत्व से अवगत कराया गया। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों को NSS की शपथ दिलाई गई तथा लक्ष्यगीत का सामूहिक गायन किया गया, जिससे उनमें राष्ट्रीय एकता, सेवा भावना एवं कर्तव्यनिष्ठा का विकास हुआ।

शिविर के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से स्वच्छता अभियान एवं पौधारोपण कार्यक्रम शामिल थे। स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान परिसर की साफ-सफाई, कूड़ा-करकट का उचित निस्तारण तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया।

इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए तथा

उनकी देखभाल का संकल्प लिया। इस गतिविधि का उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों को सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा जन-जागरूकता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

शिविर में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी, अनुशासन एवं समर्पण अत्यंत सराहनीय रहा। सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं उत्साह के साथ किया, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंत में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी स्वयंसेवकों, सहयोगी शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक कार्यों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया।

इस प्रकार यह एक दिवसीय विशेष शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना को विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।





# राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत)

## राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

विषय: एक दिवसीय सामान्य शिविर की आख्या

दिनांक: 25 मार्च 2026

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई, राजकीय महाविद्यालय, बनबसा (चंपावत) द्वारा दिनांक 25 मार्च 2026 को महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय विशेष शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे NSS स्वयंसेवकों की उपस्थिति में किया गया। प्रारंभ में स्वयंसेवकों को NSS के उद्देश्य, सेवा भावना, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि एक शिक्षित समाज ही जागरूक एवं सशक्त समाज का निर्माण करता है। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों को समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया गया।

शिविर के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलायी गई।

**नारा:**

*"शिक्षा अपनाओ - स्वच्छता बढ़ाओ"*

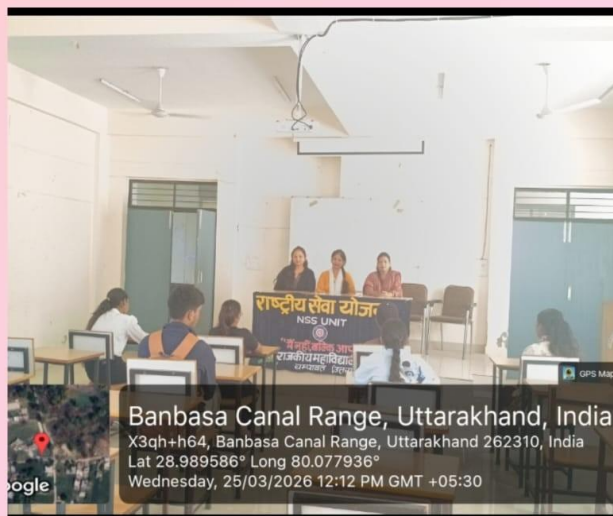
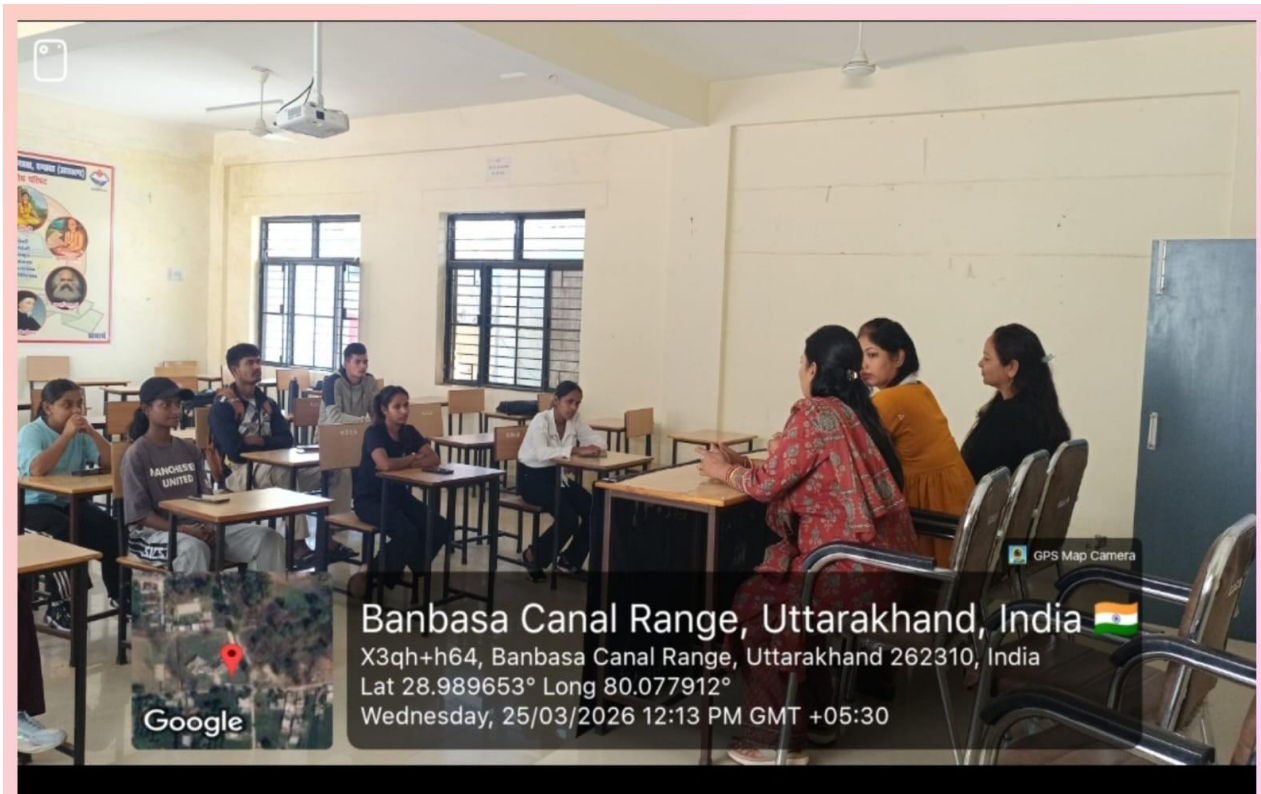
*"पढ़ेगा भारत - बढ़ेगा भारत"*

इसके अतिरिक्त जागरूकता कार्यक्रम एवं समूह चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें सामाजिक मुद्दों, शिक्षा के महत्व, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया। स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

शिविर में सभी स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता, अनुशासन एवं समर्पण सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान टीमवर्क एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास हुआ।

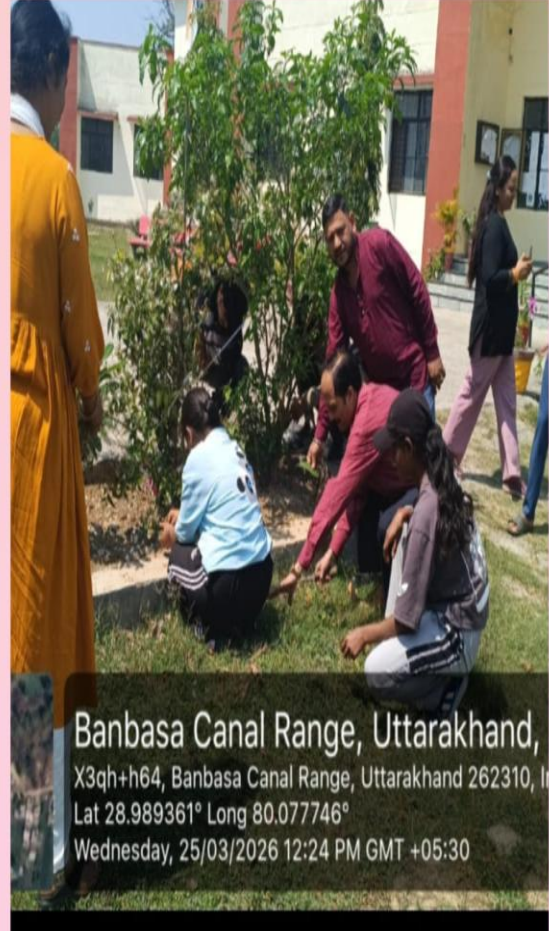
अंत में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक कार्यों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया।

इस प्रकार यह एक दिवसीय विशेष शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक चेतना, शिक्षा के महत्व एवं सेवा भावना को बढ़ावा देने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।





Banbasa Canal Range, Uttarakhand, India  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989277° Long 80.077688°  
Wednesday, 25/03/2026 12:36 PM GMT +05:30



Banbasa Canal Range, Uttarakhand,  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, In  
Lat 28.989361° Long 80.077746°  
Wednesday, 25/03/2026 12:24 PM GMT +05:30



Banbasa Canal Range, Uttarakhand, In  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, In  
Lat 28.989389° Long 80.077733°  
Wednesday, 25/03/2026 12:22 PM GMT +05:30



Banbasa Canal Range, Uttarakhand,  
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310, In  
Lat 28.98957° Long 80.077963°  
Wednesday, 25/03/2026 12:27 PM GMT +05:30

# राष्ट्रीय सेवा योजना

12-03- 2026 --- 18-03-2026

सात दिवसीय विशिष्ट शिविर

आख्या

2025—2026

# विशिष्ट शिविर के मुख्य उद्देश्य

- **व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास:** स्वयंसेवकों के भीतर अनुशासन, आत्मविश्वास, और नेतृत्व (Leadership) की क्षमता विकसित करना ताकि वे भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें।
- **सामुदायिक सेवा की भावना:** "स्वयं से पहले आप" (Not Me But You) के आदर्श वाक्य को चरितार्थ करते हुए विद्यार्थियों में समाज सेवा के प्रति समर्पण भाव पैदा करना।
- **नशा मुक्ति हेतु जागरूकता:** उत्तराखंड के युवाओं को नशे के बढ़ते प्रकोप से बचाने के लिए देवभूमि बी.एड. कॉलेज और आसपास के क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान चलाना और एक 'व्यसनमुक्त समाज' की नींव रखना।
- **ग्रामीण परिवेश का ज्ञान:** विद्यार्थियों को ग्रामीण जीवन की वास्तविकताओं, उनकी समस्याओं निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य निर्धारित किए गए थे, और चुनौतियों से परिचित कराना ताकि वे उनके समाधान हेतु शोध या प्रयास कर सकें।
- **स्वच्छता एवं स्वास्थ्य:** "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत शिविर स्थल और निकटवर्ती बस्तियों में सफाई अभियान चलाना तथा ग्रामीणों को व्यक्तिगत स्वच्छता और जल जनित रोगों के प्रति सचेत करना।
- **समूह कार्य एवं समन्वय:** विभिन्न टोलियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को एक साथ मिलकर कार्य करने (Teamwork) और आपसी सामंजस्य बिठाने का प्रशिक्षण देना।
- **सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार:** केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं (जैसे- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, आयुष्मान योजना आदि) की जानकारी समाज के अंतिम छोर तक पहुँचाना।
- **पर्यावरण संरक्षण:** वृक्षारोपण और जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए पर्यावरण की रक्षा के लिए स्थानीय लोगों को प्रेरित करना।
-

# राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्ट शिविर प्रथम दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत  
(उत्तराखंड)

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 12 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

**मुख्य विषय:** 'युवा शक्ति द्वारा राष्ट्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास'

## शुभारंभ एवं पंजीकरण:

राजकीय महाविद्यालय बनबसा की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत शुभारंभ देवभूमि बी.एड. कॉलेज के प्रांगण में हुआ। प्रातः काल सभी स्वयंसेवकों ने अनुशासित रूप से शिविर स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण की। शिविर के प्रति स्वयंसेवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

## दीप प्रज्वलन एवं मांगलिक शुरुआत:

समारोह का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री कैलाश थपलियाल जी (निदेशक, देवभूमि बी.एड. कॉलेज), महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह और एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर श्री हेम कुमार गहतौड़ी द्वारा किए गए वैदिक

स्वस्तिवाचन और मंत्रोच्चारण ने वातावरण को अत्यंत पवित्र और ऊर्जावान बना दिया। स्वयंसेवकों ने माँ सरस्वती की वंदना और 'लक्ष्य गीत' के माध्यम से कार्यक्रम को गति प्रदान की।

### **मंच संचालन एवं सत्कार:**

कार्यक्रम का अत्यंत प्रभावशाली मंच संचालन श्री हेम कुमार गहतौड़ी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने ओजस्वी वक्तव्य से स्वयंसेवकों को समाज सेवा के वास्तविक अर्थ से परिचित कराया। मंच पर आसीन समस्त गणमान्य अतिथियों का बैज अलंकरण कर और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

### **मुख्य अतिथि का प्रेरणादायी उद्बोधन:**

मुख्य अतिथि श्री कैलाश थपलियाल जी ने अपने संबोधन में अपने 'विराट अनुभवों' को साझा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि "संस्कार और अनुशासन ही एक विद्यार्थी को आदर्श नागरिक बनाते हैं।" उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाने और सामाजिक उत्तरदायित्वों को प्राथमिकता देने हेतु प्रेरित किया।

## **बौद्धिक सत्र**

द्वितीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या ने स्वयंसेवकों को सात दिनों तक चलने वाली विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने एन.एस.एस. के मूल मंत्र 'स्वयं से पहले आप' (Not Me, But You) पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता डॉ. दीप्ति कार्की और डॉ. मलिक ने भी अपने विचार साझा किए और स्वयंसेवकों को टीम वर्क (Teamwork) के माध्यम से सामुदायिक समस्याओं के समाधान हेतु प्रेरित किया।

### **छात्र संघ एवं स्टाफ की सक्रिय भागीदारी:**

शिविर के प्रथम दिन महाविद्यालय के छात्र संघ की सक्रिय भागीदारी रही। छात्र संघ अध्यक्ष कु. गायत्री महर और कोषाध्यक्ष रोहित सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। महाविद्यालय

के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. भूप नारायण दीक्षित और श्रीमती जयंती देवी की उपस्थिति ने स्वयंसेवकों का मनोबल बढ़ाया। **टोली गठन एवं उत्तरदायित्व:**

प्रशासनिक सुगमता हेतु स्वयंसेवकों को विभिन्न टोलियों में विभाजित किया गया। प्रत्येक टोली को अनुशासन, स्वच्छता, आहार प्रबंधन और सांस्कृतिक गतिविधियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इसका मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता और स्वावलंबन की भावना विकसित करना था।

**प्रबंधकीय एवं कार्मिक सहयोग:**

शिविर स्थल की व्यवस्थाओं और अनुशासन को बनाए रखने में महाविद्यालय के समर्पित कार्मिकों— श्री नर सोनू, श्री त्रिलोक चंद्र कांडपाल और श्री विनोद कुमार चंद्र का विशेष सहयोग रहा। उनके द्वारा भोजन और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का प्रबंधन अत्यंत कुशलता से किया गया।



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988471° Long 80.076191°  
Thursday, 12/03/2026 04:12 PM GMT +05:30



## राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्टशिविर द्वितीय दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 13 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

**मुख्य विषय:** "स्वच्छता से आत्मनिर्भरता और श्रम का सम्मान"

### प्रातःकालीन सभा एवं योग सत्र:

शिविर के द्वितीय दिवस का प्रारंभ प्रातः 6:00 बजे स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण के साथ हुआ। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति हेतु योग एवं व्यायाम का विशेष सत्र आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने प्राणायाम और विभिन्न आसनों का अभ्यास किया, जिसके पश्चात एन.एस.एस. लक्ष्य गीत— "उठे समाज के लिए उठे" का सामूहिक गान किया गया। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए दिन भर की गतिविधियों के लिए ऊर्जा का संचार किया।

### श्रमदान: 'परिसर स्वच्छता अभियान' की रूपरेखा:

अल्पाहार के पश्चात, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या ने स्वयंसेवकों को विभिन्न टोलियों में विभाजित कर कार्यक्षेत्रों का आवंटन किया।

आज की मुख्य गतिविधि का केंद्र **देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर** की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण था। स्वयंसेवकों को 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' की परिकल्पना को धरातल पर उतारने का लक्ष्य दिया गया।

### **स्वच्छता अभियान एवं परिसर सौंदर्यीकरण:**

स्वयंसेवकों ने अपनी निर्धारित टोलियों के साथ मिलकर परिसर के विभिन्न कोनों में श्रमदान प्रारंभ किया:

- **कचरा प्रबंधन:** परिसर में बिखरे हुए प्लास्टिक, कागज़ और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर उनका वैज्ञानिक विधि से निस्तारण किया गया।
- **क्यारियों का रखरखाव:** स्वयंसेवकों ने कॉलेज की क्यारियों की निराई-गुड़ाई की और सूखे पत्तों को हटाकर पौधों को व्यवस्थित किया।

### **कक्षा एवं गैलरी सफाई:**

कक्षाओं के समीपवर्ती क्षेत्रों और गैलरियों में झाड़ू लगाकर धूल-मिट्टी को साफ किया गया। इस श्रमदान के माध्यम से स्वयंसेवकों ने यह सीखा कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता और सामूहिक प्रयास से बड़े परिवर्तन संभव हैं।

## **बौद्धिक सत्र**

द्वितीय सत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने आधुनिक बैंकिंग और साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह और डॉ. सुशीला आर्या ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया।

### **श्री मनीष निगम (शाखा प्रबंधक, S.B.I.) का संबोधन:**

मुख्य वक्ता के रूप में **श्री मनीष निगम** जी ने डिजिटल बैंकिंग की बारीकियों को समझाया। उन्होंने विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया:

- **सुरक्षित UPI उपयोग:** उन्होंने UPI और नेट बैंकिंग के उपयोग के समय सतर्कता बरतने की सलाह दी।

- **गोपनीयता की सुरक्षा:** उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि अपना पिन (PIN), पासवर्ड या ओटीपी (OTP) कभी भी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें। बैंक कभी भी ऐसी व्यक्तिगत जानकारी फोन पर नहीं माँगता।

### **श्री अरुण सिंह पठानिया (B.D.M.) का मार्गदर्शन:**

बैंकिंग विशेषज्ञ श्री अरुण सिंह पठानिया जी ने वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति स्वयंसेवकों को आगाह किया:

- **डिजिटल अरेस्ट (Digital Arrest):** उन्होंने हाल के समय में प्रचलित 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए और खतरनाक खतरों के बारे में जानकारी दी, जहाँ अपराधियों द्वारा भय का माहौल बनाकर ठगी की जाती है।
- **हेल्पलाइन एवं रिपोर्टिंग:** उन्होंने साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबरों के महत्व को समझाया और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने के तरीकों को विस्तार से बताया।

### **श्री नितेश मौर्य एवं अन्य विशेषज्ञों का सहयोग:**

बैंकिंग टीम के सदस्य श्री नितेश मौर्य जी ने सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन के व्यावहारिक सुझाव साझा किए। इस अवसर पर डॉ. दीप्ति कार्की, डॉ. मलिक, श्री राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. भूप नारायण दीक्षित और श्रीमती जयंती देवी उपस्थित रहे। छात्र संघ अध्यक्ष कु. गायत्री महर और कोषाध्यक्ष रोहित ने भी विशेषज्ञों से संवाद किया।

### **समापन:**

प्राचार्य महोदय ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सत्र स्वयंसेवकों के लिए भविष्य में एक जागरूक नागरिक बनने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। शिविर कार्मिकों—श्री नर सोनू, श्री त्रिलोक चंद्र कांडपाल और श्री विनोद कुमार चंद्र के सहयोग से सत्र का सफल आयोजन हुआ। सायंकाल राष्ट्रगान के साथ द्वितीय दिवस की गतिविधियों का समापन हुआ।





## राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्ट शिविर: तृतीय दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 14 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

**मुख्य विषय:** 'सामुदायिक स्वास्थ्य'

### प्रातःकालीन सभा एवं योग सत्र:

शिविर के तृतीय दिवस का गरिमामयी शुभारंभ प्रातः काल की बेला में योग, सामूहिक प्रार्थना और एन.एस.एस. शपथ के साथ किया गया। स्वयंसेवकों ने 'संकल्प गीत' के माध्यम से समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की सुदृढ़ता हेतु अनुशासित होकर योगाभ्यास किया गया। इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या द्वारा स्वयंसेवकों को विभिन्न समूहों (Groups) में विभाजित कर दिन की विस्तृत कार्ययोजना सौंपी गई।

### स्वच्छता अभियान एवं सघन श्रमदान:

"स्वच्छ भारत" के संकल्प को साकार करते हुए स्वयंसेवकों द्वारा एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया:

- **परिसर की सफाई:** स्वयंसेवकों ने अपनी निर्धारित टोलियों के साथ मिलकर शिविर स्थल और महाविद्यालय परिसर के चप्पे-चप्पे की सफाई की।
- **बाहरी क्षेत्र:** परिसर की परिधि से बाहर निकलकर आस-पास के मुख्य मार्गों एवं नालियों की भी सफाई की गई, जिससे स्थानीय वातावरण को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाया जा सके।
- **जन-जागरूकता:** श्रमदान के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता संबंधी ओजपूर्ण नारे लगाए, जिससे स्थानीय जनमानस को सफाई के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

### **विशेष अतिथि का आगमन एवं निरीक्षण:**

स्वच्छता अभियान के दौरान उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक महोदय ने शिविर स्थल का भ्रमण किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। महोदय ने स्वयंसेवकों की निःस्वार्थ सेवा भावना और अनुशासन की भूरी-भूरी सराहना की, जिससे विद्यार्थियों का मनोबल और उत्साहवर्धन हुआ।

### **बौद्धिक सत्र**

दोपहर के द्वितीय सत्र में एक विशेष बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसका केंद्र बिंदु 'सामुदायिक स्वास्थ्य' रहा। इस सत्र में पी.एच.सी. (PHC) बनबसा से डॉ. संगीता बोहरा एवं बीना जाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

**विशेषज्ञ मार्गदर्शन:** मुख्य वक्ता डॉ. संगीता बोहरा ने 'स्वच्छता व स्वास्थ्य शिक्षा' एवं 'व्यक्तिगत स्वच्छता' के अंतर्संबंधों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने

वैज्ञानिक तथ्यों के साथ बताया कि किस प्रकार स्वच्छ आदतों को अपनाकर अनेक गंभीर और संक्रामक बीमारियों से बचा जा सकता है।

**स्वास्थ्य परामर्श:** डॉ. बोहरा ने दैनिक दिनचर्या में सफाई को अनिवार्य रूप से शामिल करने का आह्वान किया। विशेषज्ञ बीना जाल ने भी स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों पर अपने विचार साझा किए।

**संवाद एवं जिज्ञासा समाधान:** सत्र के अंत में स्वयंसेवकों ने विशेषज्ञों से स्वास्थ्य एवं प्राथमिक उपचार संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा अत्यंत सरल और संतोषजनक समाधान किया गया।

**मार्गदर्शक उपस्थिति:** इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह, डॉ. दीप्ति कार्की, डॉ. मलिक, श्री राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. भूप नारायण दीक्षित और श्रीमती जयंती देवी उपस्थित रहे।

### **समापन:**

तृतीय दिवस की समस्त गतिविधियाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेवा के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। स्वयंसेवकों ने आज के सत्र से न केवल श्रमदान का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति भी नई दृष्टि विकसित की। सायंकाल राष्ट्रगान के साथ दिवस का समापन हुआ।





# श्रमदान



# राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्ट शिविर: चौथे दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 15 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

**मुख्य विषय:** 'महिला सशक्तिकरण: सशक्त नारी, समृद्ध राष्ट्र'

## शुभारंभ एवं योगाभ्यास:

शिविर के चतुर्थ दिवस का शुभारंभ प्रातः काल की बेला में योगाभ्यास और एन.एस.एस. लक्ष्य गीत के साथ हुआ। स्वयंसेवकों ने समाज सेवा और महिला सम्मान की सुरक्षा का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने आज की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को ग्राम 'चंद फार्म' हेतु रवाना किया।

## जन-जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक:

स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम चंद फार्म में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" और "नारी शक्ति – देश की शक्ति" के ओजपूर्ण नारों के साथ एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई।

### • नुक्कड़ नाटक (Street Play):

ग्राम के सार्वजनिक स्थल पर स्वयंसेवकों ने समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव मिटाने और उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने के लिए एक मार्मिक

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बालिका शिक्षा और आत्मनिर्भरता का कड़ा संदेश ग्रामीणों को दिया गया।

- **ग्रामीण संवाद (Door-to-Door Campaign):**

स्वयंसेवकों ने ग्राम प्रधान श्री राकेश चंद जी, श्री महेश चन्द्र सुटेरी जी, और श्री राजेन्द्र सिंह जी के आवास पर जाकर ग्रामीणों से भेंट की। ग्रामीण परिवेश में महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों पर यह सार्थक चर्चा अत्यंत सकारात्मक रही।

## बौद्धिक सत्र

दोपहर के द्वितीय सत्र में 'महिला सशक्तिकरण' विषय पर एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने अपने प्रभावशाली विचार रखे:

- **आदरणीय प्राचार्य (डॉ. आनंद प्रकाश सिंह):** आपने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि "एक शिक्षित एवं सशक्त महिला ही उन्नत समाज और राष्ट्र के विकास की वास्तविक आधारशिला है।"
- **डॉ. दीप्ति कार्की:** आपने महिलाओं की सामाजिक समानता और आत्मनिर्भरता के व्यावहारिक पहलुओं पर जानवर्धक व्याख्यान दिया।
- **श्रीमती जयंती देवी:** आपने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए महिलाओं के आत्मसम्मान और समाज में उनकी गरिमापूर्ण भूमिका पर बल दिया। आपने कहा कि "जब एक महिला सशक्त होती है, तो वह पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित व सशक्त बनाती है।" आपकी वाणी ने स्वयंसेवकों को समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।
- **डॉ. सुशीला आर्या (NSS कार्यक्रम अधिकारी):**

आपने युवा स्वयंसेवकों में जोश भरते हुए उन्हें समाज में एक ठोस और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर डॉ. मलिक, श्री राजीव कुमार सक्सेना, और डॉ. भूप नारायण दीक्षित उपस्थित रहे। चतुर्थ दिवस की गतिविधियाँ महिला शक्ति के जयघोष के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। स्वयंसेवकों ने आज के सत्र से महिला

सशक्तिकरण के वास्तविक अर्थ को समझा और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। सायंकाल राष्ट्रगान के साथ दिवस का समापन हुआ।





Banbasa, Uttarakhand, India  
X3mg+qj4, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.983705° Long 80.076622°  
Sunday, 15/03/2026 11:26:21 AM GMT +05:30

रैली



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3hg+g5m, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.978565° Long 80.076112°



नुकड़ नाटक



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3hg+g5m, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.97863° Long 80.076294°

## राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्टशिविर : पंचम दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 16मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

**मुख्य विषय:** "नशा मुक्ति एवं सशक्त समाज"

शिविर के पंचम दिवस का भव्य शुभारंभ प्रातः काल की बेला में योगाभ्यास, सामूहिक प्रार्थना और एन.एस.एस. प्रतिज्ञा के साथ हुआ। स्वयंसेवकों ने 'संकल्प गीत' के माध्यम से समाज को व्यसन मुक्त बनाने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे समाज को खोखला करता है।

### **स्काउट गतिविधियाँ एवं अनुशासन अभ्यास:**

स्वयंसेवकों में अनुशासन और सामूहिकता की भावना विकसित करने हेतु 'स्काउट गतिविधियों' का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत ऊर्जा से भरपूर ताली अभ्यास (Clapping) एवं विभिन्न स्फूर्ति अभ्यास कराए गए। इन गतिविधियों ने स्वयंसेवकों में एकाग्रता और टीम भावना का संचार किया।

### **जन-जागरूकता अभियान एवं नुक्कड़ नाटक:**

"नशा नाश का द्वार है!" के उद्घोष के साथ स्वयंसेवकों ने ग्राम चंद फार्म में जागरूकता रैली निकाली।

### **नुक्कड़ नाटक:**

नशे के खौफनाक परिणामों और इसके सामाजिक दुष्प्रभावों से ग्रामीणों को अवगत कराने के लिए स्वयंसेवकों द्वारा एक अत्यंत मार्मिक 'नुक्कड़ नाटक' का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण का कड़ा संदेश दिया गया।

### **विशेष सर्वेक्षण:**

स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के बीच जाकर नशा मुक्ति एवं सशक्तिकरण से संबंधित एक 'प्रश्नावली' (Questionnaire) भी भरवाई, ताकि समाज में जागरूकता के स्तर का सटीक आकलन किया जा सके।

दोपहर के सत्र में 'नशा मुक्ति' विषय पर एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों ने अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया:

**श्री कमलेश भट्ट (S.I., नारकोटिक्स विभाग):** मुख्य वक्ता के रूप में आपने स्वयंसेवकों को नशे के बढ़ते खतरों, इसके सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों और बचाव के कानूनी उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

**तपेंद्र जोशी (हेड कांस्टेबल):** आपने युवाओं से नशे की लत से दूर रहने और समाज को जागरूक करने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

**अर्जुन सिंह (वरिष्ठ पत्रकार):** मीडिया जगत से पधारे अर्जुन सिंह जी ने 'जागरूकता पत्रकारिता' और सड़क सुरक्षा (Road Safety) के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने यातायात नियमों के पालन को जीवन रक्षा के लिए अनिवार्य बताया।

### **समापन:**

पंचम दिवस की समस्त गतिविधियाँ नशा मुक्ति के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। स्वयंसेवकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त की, बल्कि सर्वेक्षण के माध्यम से जमीनी हकीकत को भी समझा। सायंकाल राष्ट्रगान के साथ दिवस का समापन हुआ।





Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988507° Long 80.076095°  
Monday, 16/03/2026 10:25 AM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3rf+5m9, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.991358° Long 80.074244°  
Monday, 16/03/2026 11:36 AM GMT +05:30





Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988546° Long 80.076162°  
Monday, 16/03/2026 03:01 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988525° Long 80.076153°  
Monday, 16/03/2026 03:01 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988558° Long 80.076138°  
Monday, 16/03/2026 03:04 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988601° Long 80.076122°



Banbasa, Uttarakhand, India 🇮🇳  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.98862° Long 80.076051°

## राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्ट शिविर: छठे दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 17 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

### शुभारंभ एवं स्वास्थ्य सत्र:

शिविर के छठे दिन का आरंभ "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है" के ध्येय वाक्य के साथ हुआ। प्रातः काल में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया और ईश्वर से प्रार्थना कर सेवा संकल्प के साथ दिन की शुरुआत की। इसके पश्चात एन.एस.एस. लक्ष्य गीत का गान किया गया।

### स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान:

"स्वच्छ भारत" के संकल्प को धरातल पर उतारने हेतु स्वयंसेवकों ने ग्राम चंद फार्म एवं महाविद्यालय परिसर में सघन स्वच्छता अभियान चलाया।

**श्रमदान:** स्वयंसेवकों ने विभिन्न टोलियों में विभाजित होकर सार्वजनिक स्थानों, मार्गों और नालियों की सफाई की।

**संदेश:** रैली के माध्यम से ग्रामीणों को कूड़ा निस्तारण के सही तरीकों के प्रति जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों की इस निस्वार्थ सेवा भावना की ग्रामीणों द्वारा सराहना की गई।

## बौद्धिक सत्र

दोपहर के द्वितीय सत्र में एक अत्यंत ज्ञानवर्धक बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

**डॉ. भूप नारायण दीक्षित जी का संबोधन:** आपने स्वयंसेवकों को 'अनुशासन' और 'राष्ट्र निर्माण' के महत्व को समझाया। आपने कहा कि "अनुशासन और सेवा भाव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मील का पत्थर साबित होता है।" आपने युवाओं से केवल नारों तक सीमित न रहकर धरातल पर कार्य करने का आह्वान किया।

**अतिथियों का मार्गदर्शन:** सत्र के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

**विशेष आकर्षण: कैंप फायर (Camp Fire) एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम:**

छठे दिन की संध्या को यादगार बनाने के लिए शिविर में एक भव्य 'कैंप फायर' का आयोजन किया गया।

**प्रस्तुतियाँ:**

स्वयंसेवकों ने लोक गीतों, नृत्य और लघु नाटिकाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुमाऊँनी और गढ़वाली गीतों पर स्वयंसेवकों की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया।

**उद्देश्य:**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों के भीतर छिपी कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना था।

**मार्गदर्शक उपस्थिति एवं निष्कर्ष:**

सत्र के दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या, डॉ. दीप्ति कार्की, और डॉ. मलिक उपस्थित रहे। छात्र संघ की ओर से कु. गायत्री महर और रोहित ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल संचालन में सहयोग दिया। महाविद्यालय के कार्मिकों— श्री नर सोनू, श्री त्रिलोक चंद्र कांडपाल और श्री विनोद कुमार चंद्र का सहयोग निरंतर बना रहा।

छठे दिन की सभी गतिविधियाँ उत्साह और उमंग के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। सायंकाल राष्ट्रगान के साथ दिवस का समापन हुआ।



## राष्ट्रीय सेवा योजना विशिष्ट शिविर: सातवाँ दिवस आख्या

**आयोजक संस्थान:** राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत

**शिविर स्थल:** देवभूमि बी.एड. कॉलेज परिसर, बनबसा

**दिनांक:** 18 मार्च 2026

**मुख्य संरक्षक:** डॉ. आनंद प्रकाश सिंह (प्राचार्य)

**कार्यक्रम अधिकारी:** डॉ. सुशीला आर्या

### शुभारंभ एवं योगाभ्यास:

सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन का गौरवपूर्ण शुभारंभ प्रातः काल की बेला में योगाभ्यास और प्रार्थना के साथ हुआ। योग प्रशिक्षिका **श्रीमती कमला चड्ढा जी** के कुशल मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास कर शारीरिक और मानसिक ऊर्जा प्राप्त की। इसके पश्चात सामूहिक रूप से एन.एस.एस. लक्ष्य गीत का गान किया गया।

### वृहद स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान:

"स्वच्छ भारत" के संकल्प को पूर्णता प्रदान करने के लिए स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ महाविद्यालय परिसर में एक 'वृहद स्वच्छता अभियान' चलाया। स्वयंसेवकों की विभिन्न टोलियों ने मिलकर परिसर के चप्पे-चप्पे की सफाई की और श्रमदान के माध्यम से सामुदायिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

भव्य समापन समारोह एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

### **सांस्कृतिक छटा एवं रंगारंग कार्यक्रम:**

सफाई कार्य के उपरांत शिविरार्थियों द्वारा शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्वयंसेवकों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक संदेश और सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार किया गया।

**प्राचार्य महोदय (डॉ. आनंद प्रकाश सिंह):** समापन समारोह में आपने स्वयंसेवकों के 7 दिनों के कड़े अनुशासन और निस्वार्थ सेवाभाव की मुक्त कंठ से सराहना की। आपने सभी स्वयंसेवकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील रहने हेतु प्रेरित किया।

**विशेष मार्गदर्शन:** इस पूरे सात दिवसीय शिविर को सफल बनाने और विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन करने में डॉ. दीप्ति कार्की, डॉ. सुधीर मलिक और योग प्रशिक्षिका कमला चड्ढा, श्री राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. भूप नारायण दीक्षित जी का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### **आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापन:**

कार्यक्रम के अंत में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुशीला आर्या ने उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों और ऊर्जावान स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

शिविर की व्यवस्थाओं में निरंतर सहयोग प्रदान करने हेतु कार्यालय प्रमुख श्रीमती जयंती देवी एवं समर्पित कर्मचारीगण श्री त्रिलोक चंद्र कांडपाल, श्री नर सिंह (सोनू), श्री विनोद कुमार चंद्र व श्री अमर सिंह के प्रति विशेष कृतज्ञता ज्ञापित की गई।

### **समापन:**

अंततः, सामूहिक राष्ट्रगान के साथ इस सात दिवसीय विशेष शिविर का अत्यंत सफलतापूर्वक और गौरवपूर्ण समापन हुआ ।



पर्यावरण संरक्षण के साथ समापन

भव्य समापन समारोह: सप्तम दिवस

अंतिम परेड और ध्वज वंदन



प्रमाण पत्र वितरण और विदाई

शिविर की सफल टीम







Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988047° Long 80.076184°  
Monday, 16/03/2026 04:05 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+89r, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988047° Long 80.076184°  
Monday, 16/03/2026 04:05 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
Banbasa, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.99137° Long 80.074243°  
Monday, 16/03/2026 11:36 AM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+J89, Chunabhata Rd, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989003° Long 80.076113°  
Monday, 16/03/2026 12:41 PM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3rf+5m9, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.989027° Long 80.074259°  
Monday, 16/03/2026 11:11 AM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+gJ8, Chunabhata Rd, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988687° Long 80.076128°  
Monday, 16/03/2026 11:03 AM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
Banbasa, Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.991673° Long 80.074021°  
Monday, 16/03/2026 11:33 AM GMT +05:30



Banbasa, Uttarakhand, India  
X3qg+89; Banbasa, Uttarakhand 262310, India  
Lat 28.988507° Long 80.078095°  
Monday, 16/03/2026 10:25 AM GMT +05:30



अधिकारियों ने जब जीआईसी शिक्षक की उस विषय पर परीक्षा में धारचूला परीक्षा केंद्र में कश्क लुट्टी नहीं लगाई जा सकती। निरीक्षकों के विषय पूछे तो जवाब मिलने पर अधिकारी चौंक गए। बृहस्पतिवार को हाईस्कूल की बदलते हुए केंद्र व्यवस्थापक, परीक्षा

## शिविर में युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया



एमएसएस शिविर में छात्र-छात्राएं और अतिथि। स्रोत: महाविद्यालय

वनबसा (चंपावत)। वनबसा राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। देवभूमि वीएड कॉलेज के निदेशक कैलाश धरपालियाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश और एनएसएस प्रभारी डॉ. सुशीला आर्य ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि वीएड कॉलेज के निदेशक धरपालियाल ने युवाओं को

विद्यालय भवन का भी निरीक्षण किया गया। वहीं मुख्य शिक्षाधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी ने डीडीहाट में स्थापित बोर्ड परीक्षा उप संकलन केंद्र को भी देखा।

## एनएसएस समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम

लोहाघाट (चंपावत)। राजकीय पीजी कॉलेज लोहाघाट का सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कालाकोट में शुरू हुआ। प्राचार्य प्रो. संगीता गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह बोरा ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम है। एनएसएस के वार्षिक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरस्वती जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर देवेंद्र सिंह बोरा, प्रधानाध्यापक गिरिजेश पांडे, राम प्रसाद कालाकोटी, गिरधर राम, लता गडकोटी मौजूद रहे। शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के मीना मेहता, उमेश पुनेवा, राहुल सामंत, सुनील राव आदि सहयोग कर रहे हैं। संवाद

13/03/2

## यूथ बोर्ड का एक सशक्त माध्यम

लोहाघाट (चंपावत)। राजकीय पीजी कॉलेज लोहाघाट का सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कालाकोट में शुरू हुआ। प्राचार्य प्रो. संगीता गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह बोरा ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम है। एनएसएस के वार्षिक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनील कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरस्वती जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर देवेंद्र सिंह बोरा, प्रधानाध्यापक गिरिजेश पांडे, राम प्रसाद कालाकोटी, गिरधर राम, लता गडकोटी मौजूद रहे। शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के मीना मेहता, उमेश पुनेवा, राहुल सामंत, सुनील राव आदि सहयोग कर रहे हैं। संवाद

यूथ बोर्ड का एक सशक्त माध्यम

## आईटीबीपी सीखे भीड़

लोहाघाट (चंपावत)। 36वीं वाहिनी के निदेशक के उप निरीक्षक सुधीर कुमार ने बपीडाई के तर्कनीकों को ज

## पार्कशीटों में गडबडी तर करने

बंदर क्षेत्र के 24 से अधिक लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुके हैं। सभी ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर बंदरों को पकड़ने की मांग की है। संवाद

## साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया

वनबसा (चंपावत)। डिग्री कॉलेज वनबसा में एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश भट्ट के नेतृत्व से पुलिस टीम ने साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को साइबर अपराध, नशा मुक्ति और उसकी रोकथाम, महिला संबंधी अपराध और यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। यहां प्राचार्य आनंद प्रकाश सिंह, प्रोफेसर सुधीर मलिक, हेम कुमार गहतोड़ी, डॉ. सुशीला आर्य, शीसी कार्की आदि उपस्थित रहे। संवाद

## वीरेंद्र कुमार के उपाध्यक्ष बनने पर खुशी

बंदर क्षेत्र के 24 से अधिक लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुके हैं। सभी ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर बंदरों को पकड़ने की मांग की है। संवाद

## साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया

वनबसा (चंपावत)। डिग्री कॉलेज वनबसा में एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश भट्ट के नेतृत्व से पुलिस टीम ने साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को साइबर अपराध, नशा मुक्ति और उसकी रोकथाम, महिला संबंधी अपराध और यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। यहां प्राचार्य आनंद प्रकाश सिंह, प्रोफेसर सुधीर मलिक, हेम कुमार गहतोड़ी, डॉ. सुशीला आर्य, शीसी कार्की आदि उपस्थित रहे। संवाद

## रवींद्र कुमार के उपाध्यक्ष बनने पर खुशी

पिथौरागढ़। कनालीखोना विकास खंड के ग्राम पंचायत खूताड़ी के प्रधान रवींद्र कुमार के प्रधान संगठन के जिला उपाध्यक्ष बनने पर क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों ने खुशी जताई है। विधायक विराम सिंह चुम्बल, प्रमुख महिमन कन्याल, टोपक भंडारी, रवि धामी, हरिस कोहली, अनिल कुमार, बीरज पोखरिया, विमल कुमार आदि ने उन्हें बधाई दी है। संवाद

## पेंशनरों ने उठाई चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान की मांग

पिथौरागढ़। राजकीय पेंशनर्स के प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन के अध्यक्ष प्रेम बल्लभ जोशी एवं सचिव कैलाश पुनेटा ने बताया कि गोलन कांडाशक और पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बीजकों का भुगतान सात माह के बाद भी नहीं किया गया है। भुगतान की मांग को लेकर प्रांतीय संगठन को और से राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के कार्यालय परिसर में आज धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने पांच सूत्री मांग पत्र पर सकारात्मक कार्यवाही किए जाने के लिए अध्यक्ष स्वास्थ्य प्राधिकरण देहरादून को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिलाधिकारी ने प्राधिकरण को पत्र भेजने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उपाध्यक्ष एमसी जोशी, भास्करानंद जोशी, राजेंद्र खन्का, जनदीश थापा, सीएस भट्ट, एमएस कन्याल, भास्कर दत्त पुनेटा, देव सिंह बिष्ट, गिरधर सिंह बिष्ट, केएस भाटिया, रविंद्र प्रसाद जोशी, एमएस डोभाल आदि मौजूद रहे। संवाद

समाचार

Sl No	Name	Class	I Date	II Date	III Date	IV Date	V Date	VI Date	VII Date	Exam
1	Kumar Janti	BA III	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
2	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
3	Chetia Chand	BA I	Chetia Chand	Chetia Chand	Chetia Chand	Chetia Chand	Chetia Chand	Chetia Chand	Chetia Chand	
4	Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
5	Pradya Kumar	BA II	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
6	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
7	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
8	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
9	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
10	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
11	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
12	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
13	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
14	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
15	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
16	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
17	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
18	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
19	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	
20	Pradya Kumar	BA I	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	Kanad	

Pand



कार्यालय प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय बनबसा (262310)

जिला- चम्पावत (उत्तराखण्ड)

(सम्बद्ध सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा)

[www.gdcbanbasa.org](http://www.gdcbanbasa.org)

Email ID: [gdcbanbasa@gmail.com](mailto:gdcbanbasa@gmail.com)

पत्रांक: 197/रा0 से0 यो0/2025-26

दिनांक: 28.02.2026

सेवा में,

राज्य एन0 एस0 एस0 अधिकारी,  
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ,  
निदेशालय युवा कल्याण एवं प्रारद विभाग देहरादून।

विषय- शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निवेदन है कि राजकीय महाविद्यालय बनबसा (चम्पावत) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का विशेष शिविर दिनांक: 12.03.2026 से 18.03.2026 तक देवभूमि बी0 एड0 कॉलेज बनबसा, चम्पावत में लगना सुनिश्चित हुआ है।

आपको अवगत कराने हेतु सूचना प्रेषित की जा रही है। कृपया सूचना पत्र स्वीकार करने का कष्ट करे।

धन्यवाद

भवदीय

प्राचार्य

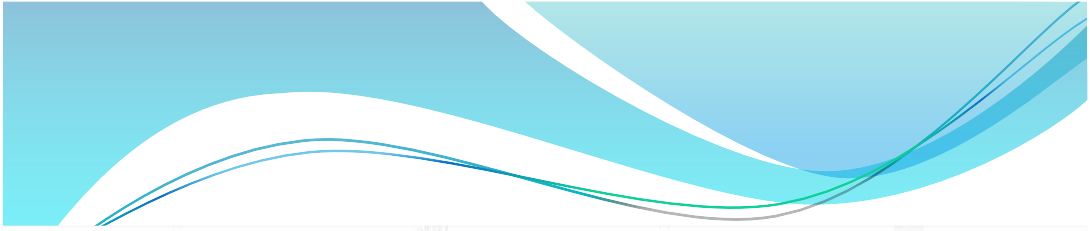
राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
चम्पावत

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ।

1. कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।
2. जिला समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना जिला चम्पावत।
3. खण्ड शिक्षा अधिकारी, बनबसा।
4. पुलिस थाना प्रभारी, बनबसा।
5. ग्राम प्रधान, चूनाभट्टा, बनबसा।
6. कार्यालय पत्रावली।

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
राजकीय महाविद्यालय बनबसा,  
चम्पावत



शुद्ध ध्यान

